Regarding air pollution in Delhi-Laid

श्री दिलीप शइकीया **(**दारंग-उदालगुड़ी**) :**देश की राजधानी दिल्ली पिछले काफी समय से अपने खतरनाक वायु प्रदूषण के स्तर के लिए दुनियाभर मे बदनाम हो रही है । वर्तमान समय मे भी दिल्ली खतरनाक प्रदूषण के स्तर पर पहुँच गई है और यहाँ का एक्यूआई लेवल 400 से 500 के बीच दर्ज किया जा रहा है, जिस कारण यहाँ के लोगों को एक बार फिर से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जो कि इस समय की सबसे गंभीर समस्या बना हुआ है । बढ़ते प्रदूषण के कारण दिल्ली व एनसीआर के स्कूल और कॉलेजों को बंद करना इस विषय की गंभीरता को और उजागर करता है । सीएसई द्वारा साझा किए गए नए अध्ययन में कहा गया है कि स्थानीय स्रोत दिल्ली के प्रदूषण में लगभग 30 प्रतिशत का योगदान देते हैं, जिसमें सड़क की धूल, निर्माण गतिविधियों से होने वाला प्रदूषण, वाहनों से होने वाला उत्सर्जन, हरियाणा और पंजाब मे पराली जलाना भी इसका एक कारण है । दिल्ली समेत देश के अन्य मेट्रो शहर जैसे कोलकाता, चेन्नई, मुंबई और गुवाहाटी समेत पूर्वोत्तर के बहुत से शहर भी वायु प्रदूषण के संकट से गुजर रहे है और आने वाले समय में यहाँ की स्थिति भी भयावह होने की संभावना है ।